Q. दक्षिण अमेरिका की प्राकृतिक वनस्पति का वर्णन कीजिए।

Ans:- किसी भी क्षेत्र की प्राकृतिक वनस्पति वहाँ की जलवायु पर निर्भर करती है। दक्षिण अमेरिका की वनस्पति के संदर्भ में भी यह बात लागू होती है। यहाँ की भी वनस्पति के प्रदेश जलवायु प्रदेश से मिलते-जुलते हैं। इसी संदर्भ में ऐसा कहा जाता है कि Vegetation is the index of climate यह कहावत दक्षिण अमेरिका की जलवायु वनस्पति के संदर्भ में प्रतीत होती है। यहाँ भी वनस्पति प्रदेश वही है जो जलवायु के हैं। निचे के चित्र में वनस्पति के प्रदेश प्रदर्शित हैं।

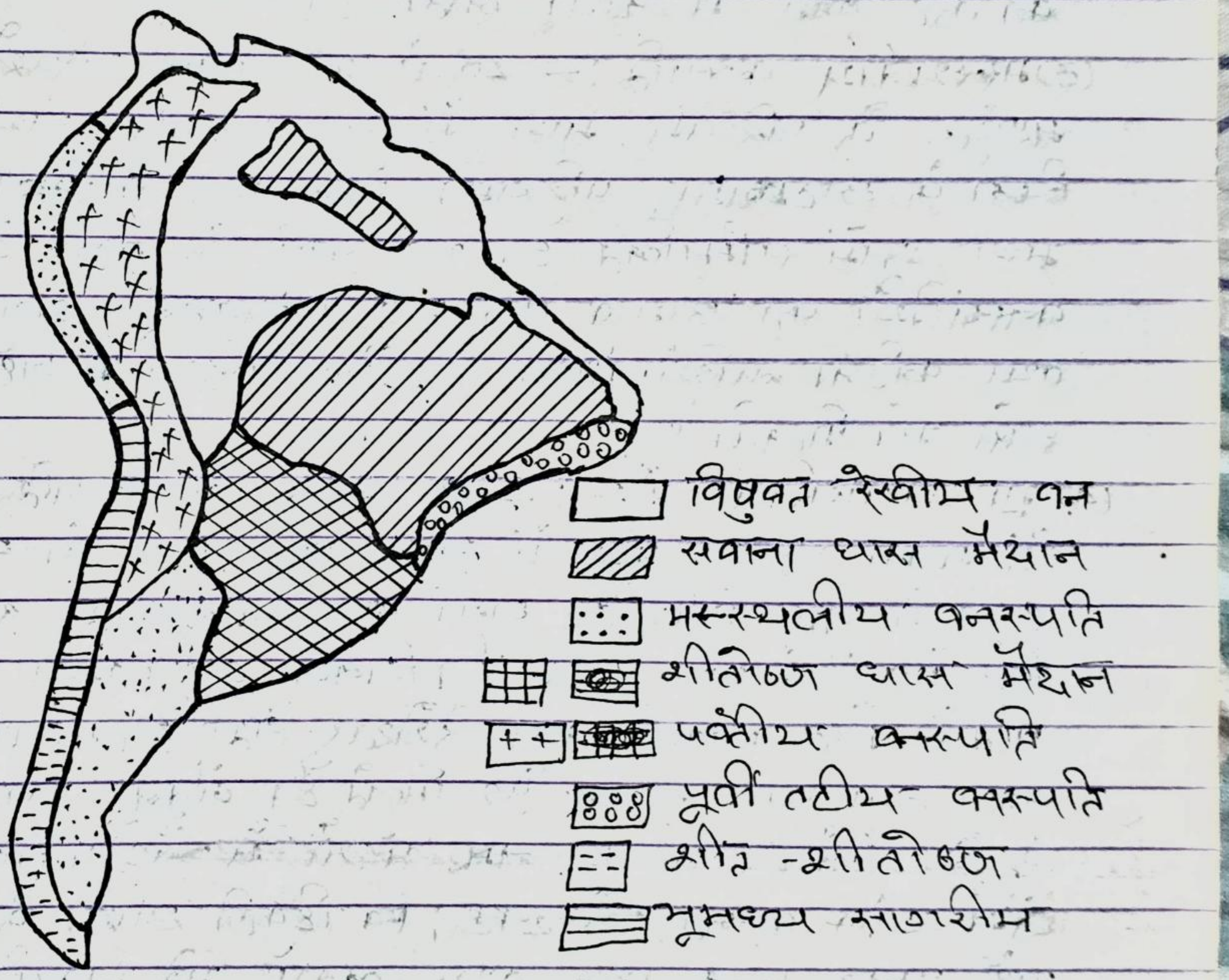

1. विषुवत रेखीय वनस्पति प्रदेश :→ इस क्षेत्र की जलवायु उष्ण आर्द्र होने के कारण घने जंगल पाये जाते हैं। पेड़ों की ऊँचाई 90 से 120 मीटर तक होती है। वनों की संघनता के कारण सूर्य का प्रकाश जमीन तक नहीं आ पाता है, यहाँ इन वनों को Selvas सेल्वा वन कहते हैं। यहाँ अनेक प्रकार के पेड़ पाये जाते हैं। आमेजन नदी घाटी में ऐसे पेड़ मिलते हैं यहाँ के प्रमुख वृक्ष

महोगिनी, रोजवुड, सिनकोना, एबोनी, साल, बाँस, केला, रबड़ आदि। सालोभर वर्षा होने के कारण वनस्पति सदा हरी-भरी रहती है। अधिक गर्मी के कारण लकड़ियाँ कड़ी होती है। अतः आर्थिक दृष्टिकोण से इसका महत्व कम है।

(2) सवाना :→ इस क्षेत्र में गर्मी पड़ती है और गर्मी में वर्षा भी होती है। गियाना का लानोस तथा ब्राजील का कैम्पोस के भाग में ऐसी घास मिलती है। यहाँ की घासें लम्बी होती है। कहीं-कहीं झाड़ीदार छोटे-छोटे पेड़ पाये जाते हैं। कैम्पोस के क्षेत्रों में मार्ते मैट की झाड़ी की पत्तियाँ चाय की तरह काम में लायी जाती है।

(3) मरुस्थलीय वनस्पति :- 20° से 30° दक्षिण अक्षांशों के बिच महादेश के पश्चिम भाग में यह वनस्पति पायी जाती है। चिली के अटकामा, पश्चिमी पेरू तथा बोलिविया के कुछ भाग इसमें सम्मिलित है। यहाँ वर्षा के कमी के कारण वनस्पतियों का अभाव है। यहाँ अधिकतर खेजड़ा, खजूर, बेर तथा कटिली झाड़ियाँ मिलती है। पेटागोनिया में जहाँ-तहाँ छोटी घासे भी मिलती है।

(4) भूमध्यसागरीय प्रदेश :- इस प्रकार कि वनस्पति मध्य चिली में मिलती है। इस प्रदेश में ग्रीष्म ऋतु शुष्क एवं गर्म होती है। जाड़े में वर्षा होती है। गर्मी ऋतु की शुष्कता सहने के लिए ऐसे पेड़-पौधे पाये जाते हैं। जिनकी जड़ें लम्बी होती है। पत्तियाँ मोटी चिकनी तथा रेशेदार होती है। मध्य चिली में पाइन तथा सीडर नामक पेड़ मिलते हैं। जैतून, कार्क तथा ओक के पेड़ होते हैं। ठंडे तथा नम प्रदेशों में चौड़ी पत्तीवाले वृक्ष जैसे ओक, वालनट, चेस्टनट, एवं हिकरी आदी के वृक्ष मिलते हैं यहाँ अनेक फूल-फल तथा लताएँ भी विकसित होती है।

(5) शीतोष्ण घास का मैदान :- इस प्रकार के घास के मैदान अर्जेन्टिना तथा यूरुग्वे में मिलता है। यह विश्व में पंपास नामक घास के मैदान के नाम से प्रसिद्ध है यहाँ स्टेपी या प्रेरी प्रकार की घास मिलती है यहाँ की मुलायम घास मवेशियों के लिए उत्तम होती है। यहाँ की घास को अल्फाल्फा

Scanned by TapScanner

कहते है। इस मैदान मे पशुपालन का विशेष महत्व है। घास के मैदान में यत्र-तत्र छोटे-छोटे पेड़ भी पाये जाते है।

(6) शीतोष्ण मरुस्थल :→ इस प्रकार की वनस्पति पैटागोनिया तथा अटकामा मरुस्थल में मिलती है। एंडिज पर्वत के वृष्टिछाया में पड़ने के कारण यहाँ वर्षा नही होती है, अतः यहाँ वनस्पतियों का अभाव ही रहता है। वनस्पति के रूप में कँटीली झाड़ियाँ मिलती है। यत्र-तत्र छोटी-छोटी घास भी उगती है।

(7) पूर्वी तटीय वनस्पति :→ ब्राजील का दक्षिणी पूर्वी भाग तथा पैराग्वे के मध्य तथा चीन्पले भाग में ऐसी वनस्पति मिलती है। ऐसी वनस्पति को चीन तुल्य वनस्पति कहते है। यहाँ चौड़ी पत्ती वाले हरे-भरे पेड़ो के सघन वन मिलते है। पेड़ो की पत्तियाँ साल मे एकबार झड़ जाती है। इन जंगलो में सवाना घास भी मिलती है। उपरी पराना तथा पैराग्वे में इस तरह के वन को "ग्रेनच्याकी" कहते है।

(8) शीत शीतोष्ण वनस्पति प्रदेश :→ दक्षिण अमेरिका के दक्षिणी चिली में यह वनस्पति मिलती है इस प्रकार की वनस्पति को पश्चिमी यूरोपीय वनस्पति भी कहते है। क्योंकि समुद्र का इस क्षेत्र पर विशेष प्रभाव पड़ता है। यहाँ चौड़ीपत्ति के "पतझड़ वन" मिलते है। कहीं-कहीं सदाबहार कोणधारी वन भी मिलते है। ओक, बर्च, चेस्टर आदि यहाँ के मुख्य पेड़ है पहाड़ी भागो में पाइन, फर तथा स्प्रुस के वृक्ष मिलते है।

9. पर्वतीय वनस्पति :→ इस प्रकार की वनस्पति एंडिज पर्वतीय भाग मे पायी जाती है। ऊँचाई के साथ-साथ तापमान मे भिन्नता से वनस्पति मे भी भिन्नता आ जाती है। इस प्रकार एंडिज के क्षेत्र मे ऊँचाई के कारण अनेक प्रकार के वृक्ष पाये जाते है जैसे :- ओक, बर्च, पोपलर, देवदार, स्प्रुस, कार्क, अंजीर, यूकिलिप्टस, फर, सफेद सनोवर, इत्यादि।

The End

Scanned by TapScanner